

CODE : A-H616111-M

I SEMESTER EXAMINATION – 2025 - 26

6 X 380

Std : XI

Sub : HINDI

Marks : 50

Date :

Roll No. \_\_\_\_\_

Time : 2½hrs

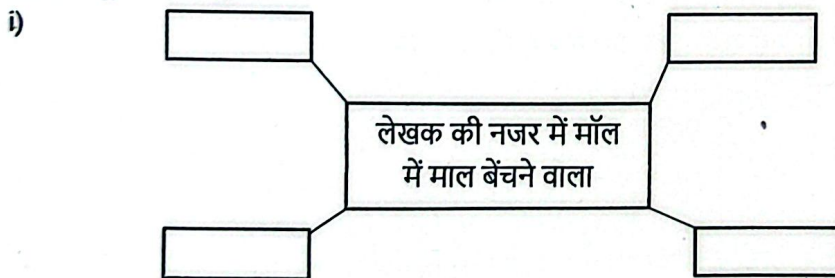
**कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ !**

- १) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है !
- २) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग कीजिए !
- ३) सभी आकृतियों में उत्तर पेन से लिखना आवश्यक है !
- ४) व्याकरण विभाग में पूछी गयी कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है !

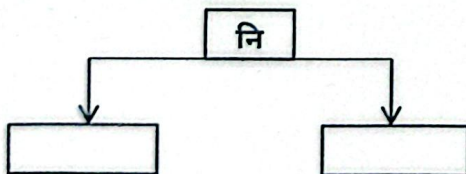
**(विभाग -२: गद्य)****प्र.१ (अ). निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।**

फिल्म देखने जाता हूँ। टिकट के साथ खाने का सामान शामिल कर लिया जाता है। मैं खाने की मनाही करता हूँ। मुझे कुछ इस तरह से समझाया जाता है, 'तीन घंटे की फिल्म में कोई भूखा प्यासा थोड़े ही बैठेगा फिर खाने-पीने की लाइन में आपका लगना हमें अच्छा नहीं लगेगा।' उसे पता है भूख तो लगेगी। यह दूरदर्शी है। उससे दूसरे की भूख बरदाश्त नहीं होती। लाइन में लगने से कष्ट होगा। पहले ही इतजाम कर देता है। मेरे द्वारा कोई तर्क करने से पहले ही तुरूप का पता फेंकते हुए मुझे बताया जाता है 'श्रीमान टिकट के साथ तो हम आधे पैसे चार्ज करते हैं। यह स्कीम आपके फायदे को ध्यान में रखकर ही जन कल्याण के लिए कुछ दिन पहले ही लाई गई है। मैं जन कल्याण फायदा उठाने के लिए और बहस नहीं करता। १०/- के. पॉपकॉर्न १००/- में खाकर उसका एहसान मानाने लगता हूँ।

'मॉल में कपड़ों की सेल लगी है। माल बेचनेवाला चिल्ला-चिल्लाकर कह रहा है। १५००/- की साड़ी ३५०/- में, १०००/- का कुर्ता २००/- में। मैं जिज्ञासा वश पूछ बैठता हूँ "आप इतना सस्ता माल देकर अपना दीवाला क्यों पिटवा रहे हो।" यह झट से कहता है "मैं भारत माँ का सपूत हूँ। मुझे अपने देशवासियों से प्यार है। मैं इस धरती का कर्ज उतारना चाहता हूँ।" दरअसल यह सेकेंड का सस्ता माल बेचने के लिए अपने को धरती का लाल कहता है। वह अपने बलिदान के लिए उतारू है। वह व्यापारी है। हर चीज बेच लेता है। अपना कर्ज उतार रहा है। मैं निरुत्तर हो जाता हूँ। मैं उस महान आत्मा के सामने नतमस्तक हूँ।

**१) संजाल पूर्ण कीजिए।****(02)****२) अ) परिच्छेद से चुनकर शब्द - युग्म लिखिए ।****(01)**

i) \_\_\_\_\_ ii) \_\_\_\_\_

**आ) उपसर्ग शब्द लिखिए :****(01)****३) स्वमत लिखिए।****(02)**

'मुफ्त में मिलने वाली चीज़ों के प्रति लोगों की मानसिकता' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

**P.T.O**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

दादी ने नरक चौदस के दिन आटे के दीप बनाकर मुख्य द्वार से लेकर हर कमरे की देहरी जगमगा दी थी। घर पकवान की खुशबू से तरबतर था। गुझिया, पपड़ी, चकली आदि सब कुछ था। मगर दस वर्षीय उषा को तो चॉकलेट और बंगाली मिठाइयाँ ही पसंद थी। दादी कहती हैं कि 'तेरे लिए मेरी पसंद की मिठाई ही आएगी। यह सब तो पड़ोसियों, नाते-रिश्तेदारों, घर आए मेहमानों के लिए हैं।

आटे के दीपक कंपाऊंड की मुंडेर पर जलकर सुबह तक बुझ गए थे। उषा जाँगिंग के लिए फ्लैट से नीचे उतरी तो उसने देखा पुरा कंपाऊंड पटाखों के कचरे से भरा हुआ था। उसने देखा, सफाई करने वाला बबन उन दीपों को कचरे के डिब्बे में न डाल अपनी जब में रख रहा था। कृशकाय बबन कंपाऊंड में झाड़ू लगाते हुए हर रोज उसे सलाम करता था। 'तुमने दीपक जेब में क्यों रख लिए? उषा ने पूछा। 'घर जाकर अच्छे से सककर खा लेंगे, अन्न देवता है न। बबन ने खीसे निपोरे।

१) उत्तर लिखिए।

(02)

i) दादी ने आटे के दीपों से जगमगा दी - \_\_\_\_\_ ।

ii) उषा की पसंद - \_\_\_\_\_

२) निम्नलिखित शब्दों का लिंग परिवर्तन कीजिए।

(02)

१) अध्यापक - \_\_\_\_\_

२) रानी - \_\_\_\_\_

३) यक्ष - \_\_\_\_\_

४) विद्वान - \_\_\_\_\_

३) स्वमत लिखिए।

(02)

'अन्न बैंक की आवश्यकता' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

(इ) साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (किन्ही दो)

(02)

१) रेडियो रूपक की विशेषताएँ लिखिए।

२) राजेंद्र सहगल जी की दो साहित्यिक कृतियाँ लिखिए।

३) दो व्यंग्य रचनाकारों के नाम लिखिए।

(विभाग- २: पद्य)

प्र.२(अ). निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

आज जीत की रात  
पहरुए! सावधान रहना।  
खुले देश के द्वार  
अचल दीपक समान रहना।  
प्रथम चरण है नए स्वर्ग का  
है मंजिल का छोर,  
इस जनमंधन से उठ आई  
महली रत्न हिलोर,  
अभी शेष है पूरी होना  
जीवन-मुक्ता डोर,  
क्योंकि नहीं मिट पाई दुःख की  
विगत सौवली कोर,  
ले युग की पतवार  
बने अंबुधि महान रहना,

पहरुए, सावधान रहना।  
विषम श्रृंखलाएँ टूटी हैं  
खुली समस्त दिशाएँ,  
आज प्रभंजन बनकर चलतीं युग  
बंदिनी हवाएँ,  
प्रश्नचिह्न बन खड़ी हो गईं  
यह सिमटी सीमाएँ,  
आज पुराने सिंहासन की  
टूट रही प्रतिमाएँ,  
उठता है तूफान,  
इंदु, तुम दीप्तिमान रहना,  
पहरुए, सावधान रहना।

१) उत्तर लिखिए ।

(02)

१) हवाएँ इस तरह चलती है -

२) द्वार खुले है इसके -

३) ये खुल गई हैं -

४) तूफान में इन्हें कांतिमान रहना है -

२) i. पदयांश में प्रयुक्त उपसर्गयुक्त शब्द ढूँढ़कर लिखिए ।

(01)

१) \_\_\_\_\_

२) \_\_\_\_\_

ii. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए ।

(01)

१) हवा - \_\_\_\_\_

२) पहरण - \_\_\_\_\_

३) स्वमत लिखिए ।

(02)

देश की रक्षा - मेरा कर्तव्य ' इस विषय पर अपने मत लिखिए

(आ) निम्नलिखित पठित पदयांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

माखण मन पाहण भया, माया रस पीया।  
पाहण मन माखण भया, राम रस लीया।।

जहाँ राम तहाँ मैं नहीं, मैं तहाँ नहीं राम।  
दादू महल बारीक है, द्वै कू नहीं ठाम।।

दाहू गावै सुरति सौं, बाणी बाजे ताल।  
पहु मन नाचै प्रेम सौं, आगैं दीनदयाल।।

जे पहुँचे ते कहि गये, तिनकी एकै बात।  
सबै साधौ का एकमत, बिच के बारह बाट।।

दादू पाती प्रेम की, बिरला बाँचे कोई।  
बेद पुरान पुस्तक पढ़ै, प्रेम बिना क्या होइ।।

१) उत्तर लिखिए ।

(02)

१) दादू सुरति से यह कर रहे है -

२) बाणी बाज रही है -

३) यह नाच रहा है -

४) सामने ये खड़े है -

२) निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए ।

(02)

१) माखण - \_\_\_\_\_

२) पाहण - \_\_\_\_\_

३) पाती - \_\_\_\_\_

४) पुरान - \_\_\_\_\_

३) स्वमत लिखिए ।

(02)

'अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है', इस विषय पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए ।

(इ) साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (किन्ही दो)

(02)

१) संत दादू दयाल की प्रमुख कृतियाँ लिखिए ।

२) तार - सपाक हे दो कवियों के नाम लिखिए ।

३) त्रिपुरारि जी की अन्य रचनाएँ लिखिए ।

## (विभाग - ३: विशेष अध्ययन)

प्र.३ (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

**एक:** इतना परेशान क्यों लग रहा है?

**दो:** क्या बताऊँ, खेती करने के लिए मैंने अपना घर बेच दिया। उससे जो पैसे आए उन पैसे को लेकर शहर गया और अच्छी फसल के लिए कीटनाशक दवाइयाँ लेकर आया लेकिन उससे भी कुछ फायदा नहीं हुआ। बारिश तो समय पर आती नहीं। लगता है, वहीं गलत निर्णय तो नहीं ले लिया मैंने।

**तीन:** सुन, ट्यूबवेल क्यों नहीं लगवा लेता ?

**दो:** ट्यूबवेल लगवा तो लूँ लेकिन बिजली आए तब न और पानी का स्तर भी तो कितना नीचे चला गया है।

**एक:** तो क्या करेगा तू अब? और तेरे हाथ में ये छाले कैसे पड़ गए?

**दो:** मैंने सोच लिया है। मैं भी जल्दी फसल उगाने के लिए बाकी किसानों की तरह ज्यादा से ज्यादा कीटनाशक डालूँगा अपनी फसल में। प्रयत्न करने में क्या हर्ज है।

**तीन:** पागल मत बन। भूल गया कमलेश को। यही सब इस्तेमाल करने की बजह से उसके हाथ जल गए थे और आर्थिक हालत भी खराब हो गई थी। कर्जा लिया, वक्त पर नहीं दे पाया तो तंग आकर उसने आत्महत्या कर ली। जरा सोच अगर तुझे कुछ हो गया तो तेरे परिवार का क्या होगा? बच्चों का क्या होगा?

**दो:** लेकिन मैं करूँ तो करूँ क्या? कभी बाढ़ आ जाती है। कभी सूखा पड़ता है, कभी तूफान आ जाता है। अगर यह बारिश समय पर हो जाए तो हमारी आधी मुश्किलें हल हो जाएँ।

## गीत-(३)

काले मेघा ! काले मेघा पानी तो बरसाओ,  
काले मेघा ! काले मेघा! पानी तो बरसाओ,

## दृश्य-७

**पति:** आज भी, एक भी मछली नहीं फँसी।

**पत्नी:** ऐसा कब तक चलेगा? घर में एक पैसा जो नहीं है। आज भी बच्चों को सिर्फ पानी पिलाकर सुलाना पड़ा।

**पति:** मैं क्या करूँ? जब से नदी के किनारे वह प्लांट लगा है, वे प्लांट सारा जहरीला कैमिकल पानी में बहा देते हैं, जिसकी वजह से सारी मछलियाँ मर गई।

**पत्नी:** तो आप नदी के दूसरे पार क्यों नहीं चले जाते?

**पति:** वहाँ भी यही हाल है। वहाँ भी उद्योगों की वजह से मछलियाँ खत्म हो गई है और अगर किसी ने पकड़ लिया तो अलग मुसीबत। (अपने भाई से) भाई साहब, हम दोनों आपके साथ आपके गाँव चलते हैं। हम जंगल में काम कर लेंगे। कम-से-कम बच्चों को भूखा तो नहीं सुलाना पड़ेगा।

**भाई:** कौन से जंगल? कैसे जंगल? हमने विकास के नाम पर सारे जंगल काट दिए, अब वहाँ कुछ नहीं बचा। जिन पेड़ों के सहारे हम रहते थे, वे पेड़ ही नहीं रहे, जिन जानवरों पर हम खाने, कपड़े और दूध के लिए निर्भर थे, वे जानवर नहीं रहे। हमारे खेत जला दिए, नदियाँ गंदी कर दीं। अब वहाँ कुछ नहीं बचा छोटे ! सिर्फ धुआँ है धुआँ, फैक्ट्रियों के कारखानों से निकलता हुआ धुआँ जिसने पूरे परिसर को प्रदूषित कर रखा है।

१) घटना के अनुसार वाक्यों को उचित क्रम में लिखिए।

(02)

- आज एक भी मछली नहीं फँसी।
- इतना परेशान क्यों लग रहा है।
- तो आप नदी के दूसरे पार क्यों नहीं चल जाते।
- सुन ट्यूबवेल क्यों नहीं लगवा लेता।

२) गद्यांश में से बहुवचन के शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

(02)

- \_\_\_\_\_ २) \_\_\_\_\_
- \_\_\_\_\_ ४) \_\_\_\_\_

## ३) स्वमत लिखिए।

'बंजर होती जा रही खेती को बचाने के उपाय' अपने शब्दों में लिखिए।

## (विभाग - ४: व्यावहारिक हिंदी, पारिभाषिक शब्दावली)

## प्र. ४ (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

भारत संघ की राजभाषा हिंदी होने के कारण मंत्रालयों, संसद तथा सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज करने को अपेक्षित स्तर तक पहुँचाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में देना अनिवार्य हुआ तथा केंद्र सरकार और उसके नियंत्रणाधीन सभी कार्यालयों के लिए हिंदी पत्राचार का निर्धारित लक्ष्य दिया गया। इन सभी गतिविधियों पर देखरेख के लिए उच्चाधिकार प्राप्त 'संसदीय राजभाषा समिति' का गठन किया गया। इस तरह हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग की अपेक्षा की गई। इसके लिए समुचित कर्मचारियों की आवश्यकता को महसूस किया गया। केंद्र सरकार के कार्यालयों में अनुवाद और मूल पत्राचारसहित अन्य अनेक क्षेत्रों में हिंदी के कार्यान्वयन के लिए कर्मचारियों की भरती आवश्यक हो गई। अनुवादक, लिपिक, अधिकारी और बरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्तियाँ की जाने लगीं। इस क्षेत्र में विशेषज्ञों की माँग बढ़ने लगी। अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी अनुवादको की माँग तेजी से बढ़ी। इसके लिए वरिष्ठ, कनिष्ठ अनुवादक तथा लिपिक की आवश्यकता होती है। इसकी निगरानी के लिए राजभाषा अधिकारियों की नियुक्तियाँ होती हैं। सौ से अधिक कर्मचारी संख्या वाले कार्यालयों में एक राजभाषा अधिकारी और आवश्यकतानुसार अन्य कर्मचारियों की भरती की अपेक्षा होने लगी। सहायक निदेशक, उप निदेशक, संयुक्त निदेशक और निदेशक जैसे पद हिंदी के क्षेत्र में कार्य करने वाले अधिकारियों के सामने संभावना के रूप में उभरने लगे। कार्यालयीन कामकाज में हिंदी के उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय में राजभाषा विभाग का गठन किया गया है। प्रेरणा, प्रोत्साहन, निरीक्षण और निगरानी के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति होने लगी। हिंदी में रोजगार के बढ़ते अवसरों की इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कई विश्वविद्यालयों ने आवश्यक पाठ्यक्रम बनाए और इस माँग को पूरा करने लगे। केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो ने अनुवाद का पाठ्यक्रम चलाया। कुछ स्थानों पर डिप्लोमा कोर्स तो कहीं प्रयोजनमूलक में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तैयार किए गए।

जब काम का प्रारंभ दिशा प्राप्त कर लेता है तो उसमें विकास की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। अब विज्ञापनों को ही देखिए, ये तो हिंदी से सराबोर है।

## १) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(02)

१) सभी गतिविधियों पर देख-रेख के लिए उच्चधिकारी प्राप्त \_\_\_\_\_ का गठन किया गया।

२) अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी \_\_\_\_\_ की माँग तेजी से बढ़ी।

३) \_\_\_\_\_ ने अनुवाद का पाठ्यक्रम चलाया।

४) कुछ स्थानों पर डिप्लोमा कोर्स तो कहीं प्रयोजनमूलक में \_\_\_\_\_ पाठ्यक्रम तैयार किए गए।

## २) उत्तर लिखिए।

(02)

१) हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर इस भाषा में देना अनिवार्य हुआ।

२) कार्यालयीन कामकाज में हिंदी के उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने इस विभाग का गठन किया।

## ३) स्वमत लिखिए।

(02)

मनोरंजन के क्षेत्र में हिंदी भाषा के माध्यम से रोजगार की संभावनाएँ लिखिए।

## आ) निम्नलिखित परिभाषित शब्दों के हिंदी अर्थ लिखिए। (किन्हीं चार)

(04)

1) Deduction

2) Revenue

3) Advance

4) Capital

5) Credit Amount

6) Trade mark

7) Defendant

8) Chancellor

## (विभाग - ५: व्याकरण )

प्र.५ (अ) कोष्ठक के सूचनाओं के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए। (किन्हीं दो) (02)

- १) आप सबको जीत सकते हैं। (सामान्य भविष्यकाल में बदलिए)
- २) एक बड़े पेड़ की छाँह में उन्होंने वास किया। (अपूर्ण वर्तमानकाल में बदलिए)
- ३) वे वात्सविकता की ओर अग्रसर हो रहे हैं। (सामान्य भूतकाल में बदलिए)

आ). निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर सार्थक वाक्यों में प्रयोग किजिए। (किन्हीं दो) (02)

- १) काट देना
- २) चुटकी लेना
- ३) डंका पीटना

इ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए।। (किन्हीं दो) (02)

- १) इसकी काम आएगा।
  - २) हमारा तो सबसे प्रीती है।
  - ३) तुम जूठे साबित होगा।
-